>

Title: Issue regarding carelessness involved in delivery centres in Government Hospitals in Uttar Pradesh.

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया। मैं सदन का ध्यान उत्तर प्रदेश में जननी सुरक्षा योजना में व्याप्त कमियों की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। ये योजना विशेष रूप से जच्चा-बच्चा की सुरक्षा हेतु अस्पताल में डिलवरी हो, इसको प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई है। मैं इसके बारे में बताना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में जननी सुरक्षा योजना का हाल बेहाल है। सरकारी अस्पताल में प्रसव केन्द्र के बाहर सड़क पर ही महिलाएं बच्चे जनने को मजबूर हैं। रोज अखबारों में ये समाचार छपते हैं। यह हाल तब है, जबकि वहां की मुख्य मंत्री एक महिला है। सरकारी अस्पतालों में वही तबका जाता है, जो गरीब है। डिस्चार्ज होते समय जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत उन्हें जो धन मिलना चाहिए, वह धन उन्हें दिया नहीं जाता, बल्कि उनका अंगूठा लगा लिया जाता है और उस धनराशि की बंदर बांट वहां के डाक्टर, नर्स तथा अन्य स्टॉफ के बीच में हो जाती है। बच्चा पैदा होता है तो उसकी सफाई नहीं होती, जब तक पैसा नहीं दे दिया जाता, तब तक बच्चा ऐसे ही पड़ा रहता है। इसलिए यह बहुत ही गंभीर समस्या है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि गर्भावस्था कोई रोग नहीं है, फिर भी हर वर्ष गर्भावस्था, शिशु जन्म और असुरक्षित गर्भपात के कारण हजारों महिलाएं अकारण मौत की शिकार हो जाती हैं। विचलित कर देने वाली बात यह है कि मरने वाली इन महिलाओं की कोई गिनती नहीं होती है और कोई यह भी नहीं देखता कि इन्हें हुआ क्या है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस योजना की मोनिटरिंग की व्यवस्थाओं में आमूल-चूल परिवर्तन की सख्त आवश्यकता है। इस योजना का शत-प्रतिशत लाभ लाभार्थियों को पहुंचाना सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। सरकार के कार्यक्रम की धज्जियां उड़ाने वाले डाक्टर नर्स एवं अन्य स्टॉफ पर कठोर कार्यवाही की जानी चाहिए।